Romans 5:1-11
रोमियो ५ १:११

Nothing Between
बीच में कुछ नहीं

Bryan Chapell
ब्रायन चैपल

10.01.17
१०.१.१७

Introduction: Maintaining a Heart on Fire for God through Tears of Joy
प्रस्तावना : तकलीफ सहते हुए भी परमेश्वर के लिए अपने दिल में हमेशा ज्योति जलाये रखना

Key Question: Is there a relationship with God that can sustain joy through tears? And, if so, what are the dimensions of that relationship?
मुख्य सवाल : क्या परमेश्वर के साथ दुख में भी, आनंद बनाये रखना मुमकिन है? और अगर है तो उस सम्बन्ध के आयाम कैसे हो सकते है?

I. We Can Have Peace with God (vv. 1-2)
प्रभु यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर के साथ मेल हो सकता है ? (व् १ -२)

A. Since we have been justified by faith (v. 1)
क्यूंकि हम विश्वास से धर्मी ठहरे है (व् १)

B. Since we have "access" by faith into grace (v. 2)
जिस के द्वारा विश्वास के कारण उस अनुग्रह तक, जिस में हम बने हैं, हमारी पहुंच भी हुई ((व्-२)

II. We Can Have Joy in Suffering (v. 3)
क्या हम क्लेशों "में भी" घमण्ड कर सकते है? (व् ३)

A. We rejoice "in" our sufferings (v. 3a)
क्लेशों "में भी" घमण्ड करें (व् ३ आ)

B. We receive hope "beyond" our sufferings (v. 3b-5)
क्लेश के अतिरिक्त हमारे पास आशा है (व् ३ब-५)

III. We Can Have Love beyond Sin
दोषी होकर भी हम प्यार पाते है

A. The reasons God should not love us (vv. 6-10)
इस कारण से हम परमेश्वर के प्यार के योग्य नहीं है (व् ६-१०)

B. The reason God does love us (vv. 8-11)
इस कारण परमेश्वर हमसे ज़रूर प्यार करते है (व् ८-११)

Conclusion: Nothing Between Us and God
निष्कर्ष : परमेश्वर और हमारे बीच कुछ भी बही है